आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शनिवार 25.04.2026
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- उत्तराखंड में डिजिटल जनगणना 2027 के पहले चरण का फील्ड वर्क आज से शुरू; 24 मई तक चलेगा अभियान।
- चारधाम यात्रा को लेकर सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाहों पर सरकार ने कहा– भ्रामक सूचना या अफवाह पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।
- देहरादून में नागरिक सुरक्षा के तहत कल रात एयर अटैक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। ब्लैकआउट लागू कर विभिन्न क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों का हुआ अभ्यास।
- बढ़ती गर्मी के मद्देनजर हरिद्वार और नैनीताल जिला प्रशासन ने स्कूलों के समय में परिवर्तन किया।

<u>जनगणना फील्ड वर्क</u>

उत्तराखंड में डिजिटल जनगणना 2027 के पहले चरण का फील्ड वर्क आज से शुरू हो रहा है। यह अभियान 24 मई तक चलेगा, जिसके तहत 'हर द्वार दस्तक' कार्यक्रम में प्रगणक घर–घर जाकर मकानों की गणना करेंगे।

जनगणना निदेशक इवा आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि 10 से 23 अप्रैल के बीच राज्य में 62 हजार से अधिक लोगों ने डिजिटल स्व–गणना पूरी कर ली है, जिसमें सबसे अधिक भागीदारी देहरादून जिले से रही है।

उन्होंने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह मोबाइल ऐप आधारित डिजिटल प्रणाली से की जा रही है। इसके लिए राज्य में 20 हजार से अधिक प्रगणक और साढ़े तीन हजार से अधिक पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं।

जनगणना निदेशक ने लोगों से अपील की है कि वे प्रगणकों को सही जानकारी दें और साइबर धोखाधड़ी से सतर्क रहें।

<u>भ्रामक जानकारी</u>

चारधाम यात्रा को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी फैलाने के मामले में एक और एफआईआर दर्ज की गई है। रुद्रप्रयाग जिले के सोनप्रयाग थाने में यह कार्रवाई केदारनाथ धाम की व्यवस्थाओं पर गलत जानकारी प्रसारित करने के आरोप में की गई है। एक रिपोर्ट–

प्रशासन के अनुसार एक सोशल मीडिया वीडियो में यह दावा किया गया था कि एक वृद्ध श्रद्धालु को स्वास्थ्य खराब होने के बावजूद सहायता नहीं मिली और वीआईपी प्रोटोकॉल के कारण आम श्रद्धालुओं की अनदेखी की जा रही है। जांच में यह जानकारी भ्रामक पाई गई।

वास्तविक घटना में 22 अप्रैल को गुजरात के एक श्रद्धालु के स्वास्थ्य खराब होने पर उन्हें तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केदारनाथ ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित किया। इसके बाद प्रशासन ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए हेलीकॉप्टर से शव को गुप्तकाशी भेजा।

प्रशासन का कहना है कि वीडियो में तथ्यों को तोड़–मरोड़ कर प्रस्तुत कर लोगों को भ्रमित करने और छवि खराब करने का प्रयास किया गया, जिसके चलते संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्देश दिए हैं कि चारधाम यात्रा से जुड़ी किसी भी भ्रामक सूचना या अफवाह पर सख्त कार्रवाई की जाए। प्रशासन द्वारा सोशल मीडिया की निगरानी लगातार की जा रही है और ऐसे मामलों में कार्रवाई जारी रहेगी।

<u>चिकित्सा सुविधा– केदारनाथ</u>

केदारनाथ धाम यात्रा 2026 के दौरान श्रद्धालुओं को त्वरित और प्रभावी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिला प्रशासन द्वारा यात्रा मार्ग से लेकर धाम क्षेत्र तक चिकित्सा इकाइयों, मेडिकल रिलीफ पोस्ट, बेस कैंप अस्पतालों और हेली व एंबुलेंस रेस्क्यू सेवाओं के माध्यम से लगातार स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं।

पिछले तीन दिनों में कुल साढे छह हजार से अधिक तीर्थ यात्रियों को ओपीडी और आपातकालीन सेवाएं प्रदान की गई हैं, जिनमें 24 अप्रैल को लगभग पांच हजार श्रद्धालुओं का उपचार किया गया। इसके अलावा अब तक करीब तीन हजार यात्रियों की स्वास्थ्य जांच की जा चुकी है।

रेस्क्यू व्यवस्था के तहत अब तक 4 यात्रियों को हेली सेवा से उच्च चिकित्सा केंद्र भेजा गया है, जबकि 13 यात्रियों को एंबुलेंस और 7 को डंडी–कंडी के माध्यम से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया।

<u>सख्ती</u>

हरिद्वार में चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को शुद्ध और गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा होटल, ढाबों और रेस्टोरेंट में लगातार छापेमारी की जा रही है। एक रिपोर्ट–

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने नेशनल हाईवे–334 के बहादराबाद क्षेत्र में कई ढाबों और होटलों का निरीक्षण किया। इस दौरान कई स्थानों पर खाद्य लाइसेंस और जरूरी दस्तावेजों की कमी मिलने पर संचालकों को नोटिस जारी किए गए। साथ ही खराब तेल के उपयोग और नियमों के उल्लंघन पर भी कार्रवाई की गई।

इसके अलावा चंडी मंदिर से गैंडीखाता तक हाईवे पर स्थित ढाबों और होटलों की भी जांच की गई, जहां बिना लाइसेंस संचालन और फूड लाइसेंस प्रदर्शित न करने पर नोटिस जारी किए गए।

प्रशासन ने सभी संचालकों को साफ–सफाई बनाए रखने, कूड़े का उचित निस्तारण करने और रेट लिस्ट प्रदर्शित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

<u>मॉक ड्रिल</u>

देहरादून में नागरिक सुरक्षा तैयारियों के तहत आयोजित एयर अटैक मॉक ड्रिल के दौरान ज़िले में निर्धारित मानकों के अनुसार त्वरित कार्रवाई की गई। रात करीब 10 बजे पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र सक्रिय कर दिया गया और शहरी क्षेत्रों में ब्लैकआउट लागू किया गया। घंटाघर, आईएसबीटी, आराघर और डील रायपुर क्षेत्रों को अभ्यास के लिए चिन्हित किया गया था। एक रिपोर्ट–

मॉक ड्रिल के दौरान सभी संबंधित विभागों के अधिकारी कंट्रोल रूम में तैनात रहे और स्थिति की लगातार निगरानी की गई। सिविल डिफेंस के वालंटियर्स को भी राहत और बचाव कार्यों में लगाया गया। निर्धारित समय के दौरान रात 10 बजकर 5 मिनट से 10 बजकर 35 मिनट तक ब्लैकआउट सुनिश्चित किया गया।

अभ्यास के तहत आईएसबीटी क्षेत्र में बम विस्फोट की स्थिति दर्शाई गई, जिसमें कुछ लोगों के घायल होने की स्थिति बनाई गई और उन्हें एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल भेजा गया। आराघर क्षेत्र में बम मिलने की सूचना पर विस्फोटक ऑर्डिनेंस डिस्पोजल टीम ने उसे निष्क्रिय किया। घंटाघर क्षेत्र में पुलिया, विद्युत और पेयजल व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति दर्शाई गई, जिसकी बहाली के लिए संबंधित विभागों ने कार्रवाई की।

ड्रिल के दौरान सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, अर्द्धसैनिक बल, पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीमों ने राहत और बचाव कार्यों का अभ्यास किया। सभी स्थानों पर नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवक तैनात रहे।

<u>स्कूल समय परिवर्तन</u>

हरिद्वार में बढ़ती गर्मी के मद्देनजर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने 27 अप्रैल से 26 मई तक सभी स्कूलों के समय में बदलाव के आदेश दिए हैं। नई व्यवस्था के तहत प्री–प्राइमरी से कक्षा 5 तक के विद्यालय सुबह 7 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजे तक संचालित होंगे, जबकि कक्षा 6 से 12 तक की कक्षाएं सुबह 7 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक चलेंगी।

जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि नई समयसारिणी का सख्ती से पालन कराया जाए। साथ ही विद्यालयों में वॉटर बेल बजाने, स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने और तेज धूप के दौरान बच्चों से खेलकूद व बाहरी गतिविधियां न कराने के निर्देश भी दिए गए हैं।

उधर, नैनीताल जिले में भी बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्कूलों का समय बदला गया है। मुख्य शिक्षा अधिकारी गोविन्द राम जायसवाल के अनुसार हल्द्वानी, रामनगर और कोटाबाग के पर्वतीय क्षेत्रों को छोड़कर अन्य विद्यालयों में 15 मई तक नई समयसारिणी लागू रहेगी। इसके तहत प्रार्थना सभा सुबह 6 बजकर 45 मिनट पर होगी और विद्यालय सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक संचालित किए जाएंगे।

सभी संबंधित अधिकारियों और विद्यालय प्रबंधन को इन आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

<u>राज्य अतिथि गृह</u>

अयोध्या में उत्तराखंड सरकार द्वारा राज्य अतिथि गृह के निर्माण की प्रक्रिया तेज हो गई है। अयोध्या–फैजाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनने वाले इस परिसर का सचिव आवास एवं राज्य संपत्ति डॉ. आर. राजेश कुमार ने निरीक्षण कर अधिकारियों को गुणवत्ता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

करीब 54 हजार वर्ग फीट क्षेत्र में बनने वाला यह अतिथि गृह उत्तराखंड से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराएगा। यह स्थान श्रीराम मंदिर, फैजाबाद शहर और अयोध्या एयरपोर्ट से नजदीक होने के कारण यात्रियों के लिए सुविधाजनक रहेगा। सरकार का कहना है कि यह अतिथि गृह केवल वीआईपी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आम श्रद्धालुओं के लिए भी किफायती दरों पर आवास की व्यवस्था की जाएगी, जिससे यात्रा के दौरान ठहरने में आसानी होगी।

परिसर को उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान से जोड़ते हुए यहां लोक कला, लोक संगीत और पारंपरिक आयोजनों के लिए भी विकसित किया जाएगा।

प्रवासी पंचायत 2026

नई टिहरी में पहली बार "प्रवासी पंचायत–2026" का आयोजन किया गया, जिसमें प्रवासियों के अनुभव और सुझाव लेकर पलायन की समस्या के समाधान पर चर्चा की गई।

ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग के तत्वावधान में विकास भवन के समीप आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता आयोग के उपाध्यक्ष शरद सिंह नेगी ने की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पलायन रोकने और रिवर्स पलायन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और इसके लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

आयोग के सदस्य राम प्रकाश पैन्यूली ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य प्रवासियों को उनकी जड़ों से जोड़ना है, ताकि वे अपने गांव के विकास में योगदान दे सकें।

बैठक के दौरान प्रवासियों ने रोजगार के अवसर बढ़ाने, आधारभूत सुविधाओं के विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने पर जोर दिया।